माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 11 फरवरी 2025
वर्ष 3, अंक 172, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

लड़ाकू विमानों की गर्जना से गूंजा बेंगलुरु 16 सलमान खान ने सूरज बड़जात्या

खेती में जापानी तकनीक से बढ़ेगी आय

सीएसए में जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट का किया गया प्रस्तुतिकरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को जापानी विशेषज्ञों ने उन्नत खेती के तरीके समझाए। सीएसए विवि के विशेषज्ञों को जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के बारे में समझाया। जापानी विशेषज्ञों ने कहा कि इस तकनीक का प्रयोग खेती में करने से किसानों की आय बढ़ सकती है।

सीएसए विवि के शाकभाजी अनुभाग कल्याणपुर में सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने की। कुलपति ने कहा कि जापानी तकनीक का भारतीय खेती में उपयोग करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। विशेष सचिव कृषि ओपी वर्मा ने कहा कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के बीच नियमित संवाद जारी रहना चाहिए। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा ने बताया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी।

तकनीक के बारे जानते अधिकारी। अमृत विचार

75 फीसदी पानी की बचत

- कार्यक्रम में प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता ने बताया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका ने कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75 फीसदी तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी।

ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन

कार्यक्रम मे टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है। इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ पीके सिंह, डॉ सीएल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ. आर के यादव, डॉ. विजय यादव, डॉ. मुक्त गर्ग, डॉ. संजीव शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुद्रण करें : कुलपति

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओपी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75 प्रतिशत तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है। इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए।

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुद्रण करें..कुलपति

दि ग्राम टुडे , कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके।

कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आइमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75% तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडोका सको, फ्यूको वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।

इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ पी के सिंह, डॉ सी एल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ आर के यादव, डॉ विजय यादव, डॉ मुक्त गर्ग, डॉ संजीव शर्मा, डॉ सीमा सोनकर आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र छात्राओं द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

दैनिक जागरण 11/02/2025

युवाओं को लुभाएगा जापानी कृषि माडल

जासं, कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शाकभाजी अनुभाग कल्याणपुर में जापानी प्रतिनिधिमंडल संग माडल फार्म प्रोजेक्ट पर संवाद किया गया। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जापानी कृषि माडल फार्म से युवाओं में भी खेती के लिए आकर्षण बढ़ेगा।

प्रदेश सरकार के विशेष सचिव कृषि ओपी वर्मा ने कहा कि माडल फार्म प्रोजेक्ट को कृषि विज्ञानियों और जापानी प्रतिनिधियों के सहयोग से सफल बनाया जा सकता है। जापान सरकार के कृषि, वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा ने बताया कि माडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत एक अग्रणी जापानी कृषि कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी।

अमर उजाला 11/02/2025

जापानी तकनीक का भारतीय खेती में करें समावेश

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शाकभाजी विभाग में हुआ संवाद कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शाकभाजी विभाग में सोमवार को जापानी तकनीक से मॉडल फार्म तैयार करने पर संवाद कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की। इसमें जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करने व कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

विशेष सचिव कृषि ओपी वर्मा ने कहा कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विवि के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए। इससे कृषि की नई तकनीकों को खेतों तक पहुंचाया जा सकेगा। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय

जापान सरकार के प्रतिनिधि को जानकारी देते सीएसए के अधिकारी। स्रोत: संस्थान

जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा ने बताया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत जापानी कंपनी उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी व तकनीकी प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मेबीऑन कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. हिरोशी योशिओका ने आईमेक फिल्म फार्मिंग तकनीक से जल संवर्धन की तुलना में 75 फीसदी तक पानी की बचत करके खेती टमाटर की खेती करने की जानकारी दी। कार्यक्रम में नोडोका साकी, त्सुकी वाटानेब, मनोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में करीब 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र छात्राओं ने भी हिस्सा लिया।

सत्य का असर समाचार पत्र

1102,2025 jksingh hardoi gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

.जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुद्रण करें: कुलपति

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्याणपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके।

कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोची योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75% तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोहोंका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अत्सुसा मिशिमा, डॉ सुशीत यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ पी के सिंह, डॉ सी एल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ आर के यादव, डॉ विजय यादव, डॉ मुक्त गर्ग, डॉ संजीव शर्मा, डॉ सीमा सोनकर आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र छात्राओं द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

उद्योग नगरी टाइम्स हिन्दी दैनिक कानपुर समाचार

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुद्रण करें: कुलपति

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए ।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके ।कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ।प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75त्न तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है ।इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ पी के सिंह, डॉ सी एल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ आर के यादव, डॉ विजय यादव, डॉ मुक्त गर्ग, डॉ संजीव शर्मा, डॉ सीमा सोनकर आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र छात्राओं द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

अंक-338 कानपुर, मंगलवार 11 फरवरी 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ-व्यवस्था को करें सुद्रण-कुलपति

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का? सृजन हो सके कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओपी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉड्ल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75त तक पानी की बचत करके चेरी

टमाटर की सफलता पूर्वक खेती की जा सकेगी कार्यक्रम में नोर्डाका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ पीके सिंह, डॉ सी एल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ आरके यादव, डॉ विजय यादव, डॉ मुक्त गर्ग, डॉ संजीव शर्मा, डॉ सीमा सोनकर आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव द्वारा किया गया इस अवसर पर लगभग 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र-छात्राओं द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

कानपुर

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ करें – डा. आनंद कुमार सिंह।

आज़ाद समाचार FEBRUARY 11, 2025 1 MIN READ

आ स. संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्याणपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति ने कहा कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ.पी. वर्मा ने कहा कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके।

कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75% तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ. कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ. सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।

इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. पी के सिंह, डॉ. सी एल मौर्य, डॉ. मुनीश कुमार, डॉ. आर के यादव, डॉ. विजय यादव, डॉ. मुक्त गर्ग, डॉ. संजीव शर्मा, डॉ. सीमा सोनकर आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र छात्राओं द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

वर्ष : 17 अंक : 041 लखनऊ मंगलवार, 11 फरवरी 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम

नगर संस्करण

जापानी तकनीकी का खेती में प्रयोग कर कृषि अर्थ व्यवस्था को सुद्रण करें : कुलपति

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति ने कहा कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ.पी. वर्मा ने कहा कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके।

खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था करें मजबूत: कुलपति

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर, सीएसए के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75% तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।

जापानी तकनीकी के खेती में प्रयोग से कृषि अर्थ व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

निरीक्षण के दौरान कुलपति व जापानी दल।

कानपुर, 10 फरवरी। सीएसए के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहाकि इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा ने कहाकि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए. ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75प्रतिशत तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है। इस अवसर पर एस्कॉर्ट कुबोटा, यांमार, मेबीऑल, फ्रेशमामा निशान आदि कंपनियों के स्टाल लगाए गए। इस दौरान डॉ पी के सिंह, डॉ सी एल मौर्य, डॉ मुनीश कुमार, डॉ आर के यादव, डॉ विजय यादव, डॉ मुक्त गर्ग, डॉ संजीव शर्मा, डॉ सीमा सोनकर आदि आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव कुमार ने किया। इसमें 150 किसानों के साथ-साथ 30 शोध छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 230 कानपुर, मंगलवार 11 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था करें मजबूतः कुलपति

कानपुर 7 सीएसए के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएफएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके। कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75ब तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।

भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्ष: 14, अंक: 44, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 11 फरवरी 2025, शक सम्वत् 1946

खेती को स्मार्ट बनाकर अर्थव्यवस्था करें मजबूतः कुलपति

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के शाकभाजी अनुभाग कल्यानपुर पर सीएसए, जापानी एमएएएफ मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के अंतर्गत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल कृषि आधारित जापानी तकनीक का भारतीय खेती में समावेश करके खेती को स्मार्ट बनाकर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ करना है। तथा ग्रामीण युवकों को नवीन खेती के लिए प्रोत्साहित करना ताकि गांवों में ही रोजगार का सृजन हो सके। कार्यक्रम में विशेष सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन ओ पी वर्मा द्वारा कहा गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट की सफलता के लिए जापानी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों के मध्य नियमित संवाद जारी रहना चाहिए।

ताकि बड़ी संख्या में कृषि तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाया जा सके।

कृषि वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय जापान सरकार के प्रतिनिधि मित्सुओ सिमाड़ा द्वारा बताया गया कि मॉडल फार्म प्रोजेक्ट के तहत कृषि आधारित जापानी कंपनी सीधे उत्तर प्रदेश में निवेश करेगी तथा तकनीकी प्रदर्शन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रथम सचिव जापान एंबेसी मसामी ओहता द्वारा बताया गया कि किसानों को जापानी तकनीक के विषय में प्रशिक्षित करके वृहद स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा।

मेबीऑल कंपनी जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ हिरोशी योशिओका द्वारा कहा गया कि आईमैक फिल्म फार्मिंग तकनीक से हाइड्रोपोनिक्स की तुलना में 75 प्रतिशत तक पानी की बचत करके चेरी टमाटर की सफलतापूर्वक खेती की जा सकेगी। कार्यक्रम में नोडॉका सकी, फ्यूकी वाटानेब, सतोशी नेगामी, डॉ कोजी इसीकावा, अजुसा मिशिमा, डॉ सुशील यामामोतो आदि जापानी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर टोक्यो केईकी कंपनी जापान के सतोशी नेगामी ने ऑटोस्टीयरिंग सिस्टम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इस सिस्टम से चालक की दक्षता बढ़ती है तथा थकान भी कम आती है।